6. कादम्बरी के अनुसार महाराज शूद्रक की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

7. महाकवि कालिदास कृत कुमारसम्भवम् का सामान्य परिचय दीजिए।

8. विक्रमांकदेवचरितम् के अनुसार देवस्तुति एवं प्रभातवर्णन का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

9. "माघेमेघे गतं वयः उक्ति की समीक्षा कीजिए।

खण्ड—स **2×16=32**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंक का है।

10. महाकवि माघ के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का वर्णन कीजिए।

11. महाकवि बाणकृत कादम्बरी की कथा का सविस्तार वर्णन कीजिए।

12. विक्रमांकदेवचरितम् एक ऐतिहासिक महाकाव्य है। सिद्ध कीजिए।

13. स्तोत्रतपाठ में आचार्यपुष्पदत्त प्रणीत शिवमहिम्नः स्तोत्र का महत्वपूर्ण स्थान है। स्पष्ट कीजिए।

MASA–05

June – Examination 2023

M.A. (Final) Examination

SANSKRIT

(गद्य तथा काव्य)

Paper : MASA-05

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **80***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **8×2=16**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. (i) कुमारसम्भवम् में कौनसा रस प्रधान है ?

   (ii) कुमारसम्भवम् में कुल कितने सर्ग हैं ?

   (iii) शिशुपालवधम् में कुल कितने पद्य हैं ?

(iv) शिशुपालवधम् में महाकवि माघ ने कौनसे छन्द का वर्णन किया है ?

(v) कादम्बरी की सखी का नाम क्या था ?

(vi) कादम्बरी में किसके तीन जन्मों का वर्णन है ?

(vii) विक्रमांकदेवचरितम् में किस राजा का वर्णन किया गया है ?

(viii) 'विक्रमांकदेवचरितम्' में कितने सर्ग हैं ?

खण्ड—ब **4×8=32**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक का है।

2. किसी **एक** गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

यदा यदा चेयं चपला दीप्यते तथा तथा दीपशिखेव कज्जलमतिनमेव कर्म केवलमुद्धमति। तथा हि इयं संवर्धनवारिधारा तृष्णा-विषवल्लीनाम्, व्याधगीतिन्द्रिय मृगाणाम्, परामर्शधूमलेखा सच्चरित-चित्राणाम् विभ्रमशय्या मोहदीर्घनिद्राणाम्, निवासजीर्णवल्लभी धनमदिपिशाचिकानाम्, तिमिरोद्गतिः शास्त्रदृष्टीनाम् पुरः पताका सर्वाविनयानाम्।

अथवा

एकस्मिश्चं जीर्णकोटरे जायया सह निवसतः परिश्चमे वयसि वर्तमानस्य कथमपि पितुरहमेवैको विधिवशात् सुनुरमवम्। अतिप्रबलया चामिभूता ममैव जायमानस्य प्रसवेदनयाजननी में लोकान्तरमगमत्। अभिमतजाया विनाश शोक दुःखितोऽपि खलु तात् सुतस्नेहादम्यन्तरे निगृह्य पटुप्रसरमपि शोकमेकाकी सत्संवर्धनपर एवामवत्।

3. निम्नलिखित श्लोक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

गुरुदृयाय गुरुणोरुमयोरथ कार्ययोः।
हरिर्विप्रतिषेद्यं तमाचचक्षे विचक्षणः॥

अथवा

बृहत्सघयः कार्यान्तक्षोदी यानापिगच्छति।
सम्भूयांधिमग्येति मघनद्यानगापगा॥

4. निम्नलिखित श्लोक की संस्कृत में व्याख्या कीजिए :

षड़गुणाः शक्तयस्तिस्त्रः सिद्धयश्चोऽयास्त्रयः।
ग्रन्थानधीत्य व्याकर्तुमिति दुर्मेधसोऽप्यलम्॥

अथवा

तृप्तियोगः परेणापि महिम्ना न महीपसाम्।
पूर्णश्चन्द्रोउयाकाङ्क्षी दृष्टान्तोऽत्र मघर्णवः॥

5. शिशुपालवधम् के द्वितीय सर्ग का कथासार अपने शब्दों में लिखिए।